SLR-BN-6

Seat No.	

Set P

B.Com. (Semester - I) (New) (CBCS) Examination Oct/Nov-2019
Hindi
साहित्यसुरभि

Day & Date: Thursday, 07-11-2019 Max. Marks: 40
Time: 03:00 PM To 05:00 PM

सूचना : 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) दाई ओर लिखे अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्र.1 अ) निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। 08

1) हामिद मेले में एक स्थान पर रूककर चिमटा ——— पैसे में खरीद लेता है।
अ) तीन ब) पाँच
क) चार ड) सात

2) 'बैलगाडी से यात्रा' यह एक ——— यात्रावृत्त है।
अ) रेखाचित्र ब) रिपोर्ताज
क) डायरी ड) व्यंग्यात्मक

3) 'जिस देश मे जीनियस बसते हैं' इस पाठ के लेखक ——— है।
अ) प्रेमंचद ब) मनोहर श्याम जोशी
क) श्रीलाल शुक्ल ड) रामवृक्ष बेनीपुरी

4) 'प्रेत का बयान' कविता के कवि ——— है।
अ) जयशंकर प्रसाद ब) नागार्जुन
क) लीलाधर जगूडी ड) राजेश जोशी

5) जहाँ ——— को ठोकर खानी पड़ती है, बिना वाद्यों के आवाजें निकल आती है।
अ) पानी ब) पेड़
क) जहाज़ ड) गाडी

6) जहीर कुरेशी ने अपनी ग़ज़ल में ——— के प्रश्न को उठाया है।
अ) बाल मज़दूरी ब) नारी–अस्मिता
क) किसान ड) किन्नर

7) 'बीती–विभावरी जाग री!' कविता में ——— के मनोरम दृश्य को बड़े ही भावपूर्ण शब्दों में चित्रित किया गया हैं।
अ) प्रातः काल ब) दोपहर
क) आधीरात ड) शाम

8) संक्षेपण का अर्थ ——— होता है।
अ) अनुवाद ब) भाषांतर
क) सारांश ड) पल्लवण

प्र.1 ब) निम्नलिखित निर्देश के अनुसार उत्तर लिखिए। **04**

1) निम्नलिखित शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए।

1. Accept
2. Enquiry
3. Criminal Court
4. Expenditure

2 वाणिज्य और पदनाम संबंधी शब्दो के हिंदी पर्याय लिखिए।

1. Balance
2. Disallowed
3. Collector
4. Examiner

प्र.2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए। **06**

1) निम्नलिखित परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद किजिए।

बऱ्याच दिवसापासून टंकलेखन यंत्र नादुरूस्त अवस्थेत आहेत; त्यामुळे कामे रेगांळली आहेत; कृपा करून तात्काळ दुरूस्ती विषयी कंपनीस कळवावे. सकाळीच त्यांना फोनवर सांगितल्या प्रमाणे दुरूस्तीसाठी त्यांच्याकडून अंदाजे खर्चाचे वितरण मागितलेले नाही.

2) निम्नलिखित परिच्छेद का ⅓ शब्दों में संक्षेपण कीजिए।

सभ्यता के विकास में, हमारे बाहरी जीवन के सुख, सुविधा और समृद्धि के साथ – साथ आंतरिक जीवन की समृद्धि भी बढ़ती रही है और बढ़ती रहेगी। यदि यह न हुआ तो बाहय सभ्यता बालू की भीत से भी दुर्बल रहेगी। विद्यमान वैज्ञानिक सभ्यता के सम्मुख भय और संकट यही है कि आज हमारा धरातलीय जीवन जितना वैभवसंपन्न हैं, हमारा भीतर उतना ही दरिद्र है। परिणाम यह है कि हम सेक्स से बढ़कर या अतिरिक्त किसी आनंद की बात ही नहीं सोच सकते। फलतः स्नेह–सेवा –सम्मान समर्पण की भावना के समृद्ध, परिपक्व और तपे हुए पवित्र प्रेम की बात सोचना हमारे लिए असंभव हो गया है, जो वस्तुतः नर – नारी के संबंध को पूर्णता देता है। नीच उच्छृंखल, घिनौनी क्षणिक उफान की तरह अपने में आने और जानेवाली कामुकता के उपर तो आदिम मनुष्य भी उठ चुका था। प्रेम का अंकुर वहाँ उग आया था, जिससे उसका जीवन सँवरा और समृद्ध हुआ। कला का जन्म समृद्ध जीवन में होता है। कला स्वंय जीवन के समृद्धिकरण की क्रिया है। कला आदिम काल से ही जन–मन–रंजन करती आई हैं। वह प्रकृति और मानव मन के भीतर प्रसुप्त संतुलन, संवाद, लय, उर्जा, रहस्य, रस, राग, रंग, चमत्कार, उल्लास विलास को जगाती है, यहाँ तक कि अविचल सनातन सत्यों का इंद्रियगोचन साक्षात्कार कराती है।

3) अनुवाद करते समय कौन–सी बातों पर ध्यान देना चाहिए, उसे संक्षेप में लिखिए।

प्र.3 राजेश जोशी की कविता 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' बाल मज़दूरी की व्यथा को चित्रित करती है, अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। **10**

प्र.4 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर संक्षेप में लिखिए। **12**

'ईदगाह' कहानी में मानवीय संवेदनाओं तथा जीवनगत मूल्यों के तथ्यो को जोड़ा गया है, विस्तार से लिखिए।

अथवा

'मंगर' का चरित्र–चित्रण कीजिए।